दृष्टि The Vision

# गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

**स्रोत: पी.आई.बी.**

भारत के राष्ट्रपति ने गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता हेतु उनके बलिदान का स्मरण किया।

- **प्रारंभिक जीवन:** वर्ष 1621 में अमृतसर में जन्मे गुरु तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव के कारण शुरू में **त्यागमल** के नाम से जाना जाता था। **धार्मिक दर्शन एवं युद्ध कौशल में प्रशिक्षित होने के साथ युद्ध में वीरता के लिये उन्हें "तेग बहादुर" की उपाधि** प्रदान की गई।
- **गुरु के रूप में योगदान: वर्ष 1664 में गुरु हरकिशन** के बाद **9 वें सिख गुरु** बने। **इन्होंने वर्ष 1665 में आनंदपुर साहिब** की स्थापना की तथा समानता, न्याय और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करते हुए **गुरु ग्रंथ साहिब** में 700 से अधिक भजनों का योगदान दिया।
- **धार्मिक स्वतंत्रता के समर्थक: इन्होंने औरंगजेब के** शासनकाल के दौरान जबरन धर्मांतरण का विरोध किया तथा अपने अनुयायियों के बीच [illegible]
- **शहीदी दिवस: 24 नवंबर को गुरु तेग बहादुर (जिनकी कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने** एवं **जबरन इस्लाम में धर्मांतरण** का विरोध करने के लिये **औरंगजेब** द्वारा वर्ष 1675 में हत्या की गई थी) **के सम्मान में शहीदी दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
    - दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गुरुद्वारा शीशगंज साहिब, उनके शहीद होने का स्थल है।

## सिख धर्म के दस गुरु:

| | |
|---|---|
| **गुरु नानक देव (1469-1539)** | ▪ ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे।<br>▪ इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की।<br>▪ वह बाबर के समकालीन थे।<br>▪ गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था। |
| **गुरु अंगद (1504-1552)** | ▪ इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया। |
| **गुरु अमर दास (1479-1574)** | ▪ इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की।<br>▪ इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया\|<br>▪ ये अकबर के समकालीन थे। |
| **गुरु राम दास (1534-1581)** | ▪ इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की।<br>▪ इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया। |
| **गुरु अर्जुन देव (1563-1606)** | ▪ इन्होंने वर्ष 1604 में **आदि ग्रंथ** की रचना की।<br>▪ इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण कार्य पूरा किया।<br>▪ वे **शाहिदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj)** के रूप में प्रचलित थे।<br>▪ इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया। |
| **गुरु हरगोबिंद (1594-1644)** | ▪ इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत" (Soldier Saint)** के रूप में जाना जाता है।<br>▪ इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मज़बूत किया।<br>▪ इन्होंने जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा। |
| **गुरु हर राय (1630-1661)** | ▪ ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशनरी काम करने में |

| | |
|---|---|
| | समर्पित कर दिया। |
| **गुरु हरकिशन (1656-1664)** | ▪ ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी।<br>▪ इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था। |
| **गुरु तेग बहादुर (1621-1675)** | ▪ इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की। |
| **गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)** | ▪ इन्होंने वर्ष 1699 में 'खालसा' नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की।<br>▪ इन्होंने एक नया संस्कार "पाहुल" (Pahul) शुरू किया।<br>▪ ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया। |

**और पढ़ें..** [गुरु तेग बहादुर]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/guru-tegh-bahadur-ji-s-martyrdom-day